संपादक का नोट ।

मैं आप सभी मेरे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के नाम पर अभिवादन देती हूं। प्रभु हर समय अच्छा है। वह भला है उसको धन्यवाद देते हैं, उनकी दया हमेशा के लिए सदा की है।

मैं प्रभु का धन्यवाद करती हूँ मुझे एक और साल देने के लिए उनकी सेवा करने के लिए। मैं अपने प्रभु की इच्छा के अनुसार अपने जन्मदिन का जश्न मनाने के लिए, एक विशेष आराधना और प्रार्थना सेवा के लिए होने से मेरे बच्चों को धन्यवाद देती हूं।

जब प्रभु अपने लोगों का नेतृत्व करने के लिए मूसा को चुना, मूसा ने अपनी कमजोरी के बारे मे प्रभु से बात की। निर्गमन † % ƒå, तब मूसा ने यहोवा से कहा, ''हे प्रभु, मैं तो बोलने में कुशल नहीं, न ही पहले था और न जब से तू ने अपने दास से बातें की, क्योंकि मैं तो बोलने मे जीभ का भददा हूं।'' इस के बावजूद , यहोवा ने मूसा को इस्तेमाल किया मिस्र में फिरौन के बंधन से बाहर अपने लोगों को लाने के लिए।

प्रभु ने जब यिर्मयाह नबी को बुलाया , उन्होंने कहा कि वह अभी भी एक बच्चे हैं कि वह बोल नहीं सकता। यिर्मयाह ƒ % ^, तब मैंने कहा, ''हाय, प्रभु यहोवा! देख, मैं तो बोलना ही नहीं जानता, क्योंकि मैं अभी बालक ही हूँ।'' इस के बावजूद प्रभु ने यिर्मयाह के मुंह में अपने शब्द डाल दिया, उसे एक महान नबी बनाया और उसे पराक्रम से इस्तेमाल किया।

हमारे प्रभु ने पतरस जो मछली पकड़ने गया था बुलाया। पतरस कहने लगा कि वह एक पापी आदमी था जवाब दिया और उसके पास से दूर रहने के लिए यीशु से विनती की। इस के बावजूद प्रभु यीशु ने उसे अपने शिष्य के रूप में चुना और उसे अपने आध्यात्मिक शक्ति से भरा, पतरस एक महान प्रेरित के रूप मे चुना गया।

मेरे प्यारे भाइयों और बहनो , अगर अपने जीवन में कुछ कमजोरी है , आपको लगता है आप योग्य नहीं हैं, या अगर कोई अपने जीवन में कुछ बाधा है , निराश नहीं होना चाहिए।

शर्मिंदा करने के लिए बुद्धिमान को नहीं बल्कि, प्रभु ने मूर्ख को चुना है। आप पूंछ नहीं लेकिन सिर होंगे। व्यवस्थाविवरण „Š % ƒ…, '' यहोवा तुझको पूंछ नहीं, सिर ही बनाएगा, तू नीचे नहीं, ऊपर ही रहेगा– यदि तू अपने परमेश्वर यहोवा की उन आज्ञाओ को जिनका आदेश मैं दे रहा हूँ सुनकर ध्यान से उनका पालन करे।''

इसलिए मजबूत और विश्वसनीय हो।

प्रभु ने आप के आगे दो समूहों के लोगों को रखा गया है । एक, बुद्धिमान और शिक्षित । दूसरे, मूर्ख और अयोग्य लोगों को। इन दो समूहों मे से प्रभु ने मूर्ख लोगो का चुनाव किया है । क्या यह आश्चर्य की बात नहीं है? रोमियो Š % „å, ''क्योंकि सृष्टि व्यर्थता के अधीन कर दी गई, परन्तु अपनी ही इच्छा से नहीं, वरन उसके कारण जिसने उसे अधीन कर दिया, इस आशा मे।'' लेकिन प्रभु ने मूर्खो को चुन लिया है बुद्धिमानो को शर्मिंदा करने के लिए और कमजोरों को चुना है इस दुनिया मे ताकि ताकतवर शर्मिंदा हो सकें। महान काम करने के लिए , लोग महान लोगों की खोज करते हैं। लेकिन कमजोर लोगों को महान काम करने के लिए प्रभु खोज रहा है।

प्रेरित पौलुस उसके शरीर में बहुत कुछ कमजोरी था और वह इसके बारे में बार–बार लिखते हैं। „ कुरिन्थियों ƒ„ % ‡, ''ऐसे मनुष्य पर मैं घ ामण्ड करूंगा, परन्तु अपनी निर्बलताओं को छोड़, अपने आप पर घमण्ड न करूंगा।''

लेकिन हमारे प्रभु कमजोरों को शक्ति प्रधान करते हैं और जिसके पास बल की कमी है उसे ताकत देंगे। प्रभु आपको शक्ति दे सकते हैं। क्रूस पर हमारे प्रभु न केवल अपनी बीमारी ही नहीं बल्कि अपनी कमजोरीयो

को भी ले लिया है। जकर्याह † % ˆ, फिर उसने मुझ से कहा, ''जरूब्बाबेल के लिए यहोवा का यह वचन है रू 'न बल से न शक्ति से, परन्तु मेरे आत्मा के द्वारा,' सेनाओं का यहोवा यही कहता है।''

मेरे प्यारे बच्चों , **१२** सालों से हमारे प्रभु रोज ऑफ शेरोन चर्च में काम कर रहा है । वह विश्वसनीय एक प्रभु है , उनके वचन कभी विफल नहीं होते है।

ईश्वर की कृपा आप सब पर बनी रहे।

प्रभु की सेवा मे ,

पास्टर सरोजा म.

प्रभु के वचन पर ध्यान करो।

भजन संहिता ff‹ % f†Š , ''मेरी आंखें तो रात के हर पहर से पहले ही खुल जाती हैं, कि मैं तेरे वचन पर मनन करूं''। क्या हमारे भीतर उसी तरह का प्यास जिस तरह कि दाऊद की थी, परमेश्वर के वचन पर मनन करने के लिए है। कई किताबें इस दुनिया में उपलब्ध हैं, लेकिन 'पवित्र बाइबल' अर्थात 'परमेश्वर का वचन' इस दुनिया के सभी अन्य किताबों से अलग है। हम मे इस 'पवित्र पुस्तक' पढ़ने की इच्छा होनी चाहिए , हम प्रभु के लिए प्यास और प्यार जैसे दाऊद करता था , वैसा होना चाहिए। हम मे आकांक्षा होनी चाहिए 'पवित्र बाइबिल' पढ़ने की। हमारे अंदर यह होना आवश्यक है की प्यास और प्रेम प्रभु के लिए हो जैसा की दाऊद करता था परमेश्वर का वचन पढ़ते वक्त। अगर हमारे अंदर इच्छा और इच्छाशक्ति नहीं है 'उसके वचन' के लिए , तो हमारे प्रभु बहुत दुखी और हमारे साथ निराश हो जाएंगे। प्रभु ने हमें हमारे हाथ में वचन दिया है , ताकि हम , इसे पढ़े, समझे और इसका पालन करें। उदाहरण के लिए, हम स्कूल में जाते है, जब हम १० वीं कक्षा तक पहुँचते हैं, हम एक बोर्ड की परीक्षा में इस शिक्षा का कानून है जो की देना होता है। हमें माध्यमिक परीक्षा मे सफल होना जरुरी है ताकि हम आगे की पढ़ाई के लिए जा सकते हैं और बदले में जीवन में अच्छी नौकरियों को सुरक्षित करने के लिए इस परीक्षा से गुजरना होता है। हम इन माध्यमिक परीक्षाओं के लिए कैसे लगन से अध्ययन करते हैं ! क्योंकि हम जानते हैं, जब तक कि हम एक सही प्रारूप या ढंग से बोर्ड परीक्षा में प्रश्नों का जवाब न दे, हमें आवश्यक अंक प्राप्त नहीं होगा और इस प्रकार हमारे माध्यमिक परीक्षाओं के लिए हमारे अध्ययन पर निर्भर करता है। हम सुबह जल्दी उठकर अध्ययन करते हैं, या हम देर रात तक अध्ययन करते हैं, क्यों? वह इसलिए क्योंकि हम इन परीक्षा में असफल नहीं हो। इसी तरह, पवित्र ग्रंथ को सिद्ध लोगों ने और शिष्यों जो अभिषेक और प्रभु की आत्मा के नेतृत्व में 'पवित्र बाइबल' लिखने के द्वारा प्रेरित किया गया था। इस प्रकार, हमें इस वचन को जानने के

लिए , इस पर ध्यान और भी हमारे दिलों में यह लिखना जरूरी है। जैसे की दाऊद ने कहा , 'मेरी आंखें रात की घड़ियों को रोकने , कि मैं तेरे वचन में ध्यान धर सकता हूँ' , हम भी परमेश्वर के वचन पर ध्यान और हमारे दिलों में यह लिखना चाहिए । हम परमेश्वर के वचन को हल्के ढंग से लेते हैं, क्योंकि हमारे प्रभु ने हमें तुरंत सजा नहीं दी है, हम मे वचन का डर नहीं है। हमारे परीक्षा के दौरान हम , वचन को पढ़ने के लिए कोई समय नहीं होता है, जब हम सुबह काम के लिए देर हो जातें हैं तो हम वचन नहीं पढ़ते हैं। हम सिर्फ ऊपर–ऊपर से प्रार्थना करते हैं और हमारे घरों को छोड़कर निकलते हैं। लेकिन याद रखना यह हमारे लिए हमारे प्रभु की इच्छा है, कि हम उनके वचन पढ़े और इस पर ध्यान करें। हम हमेशा वचन को पढ़ने के लिए और उनके वचन पर ध्यान करने की इच्छा होनी चाहिए। वरना हमारे प्रभु दुखी में कहते हैं, होशे Š % ƒ„, ''यद्यपि मैंने उनके लिए अपनी व्यवस्था के हजारों नियम लिखे हैं, वे विचित्र बातें समझी जाती हैं''। हमारे प्रभु ने एक लंबी कहानी को संक्षेप में, 'बाइबल' के रूप में यह समझाया और हमारे हाथ में दे दिया है। वचन कहता है कि अगर बाइबिल सब बातें है कि प्रभु इस धरती पर हमारे लिए क्या किया था दर्ज करने के लिए किया गया तो, पवित्र बाइबल एक ही दर्ज करने के लिए पर्याप्त नहीं होगा। इस प्रकार, हमारे प्रभु पवित्र ग्रंथ को संक्षेप मे 'बाइबल' के रूप में यह हमारे लिए दे दिया है। लेकिन हम अभी भी इसे पढ़ने के लिए नजरअंदाज करते हैं और हमें लगता है कि अगर हम इसे केवल चर्च में पढ़ा है कि यह काफी है। इस प्रकार हमारे प्रभु जानता है, वह हमें दिया है कि कैसे शास्त्रों के ज्यादा हमारे लिए आवश्यक हैं जो बाइबिल है , केवल यह है कि ज्यादा जानकारी नहीं है। प्रभु ने हमें दिया है 'वचन' इतना है कि हम इसे पढ़ सकते हैं और हमारे जीवन में बुराई के हर काम को हरा सकते हैं। यही कारण है कि प्रभु के लिए हमारे प्यार को प्रत्येक दिन वचन पढ़के आगे बढ़ते जाना चाहिए। वचन दुश्मन की योजनाओं से लड़ने के लिए एक तलवार के रूप में हमें सज्जित करता हैं। वचन दोषियों को, सही को, सलाह और हमें प्रत्येक दिन को पवित्र

करता हैं । वचन इस दुनिया में हमें जीत के लिए देता है। लेकिन, जब हम वचन को नजरअंदाज करते हैं, हमारे प्रभु बहुत उदास होते है और हमारे लिए दुख भोगते है। भजन संहिता ƒå‰%‹, ''क्योंकि वह अभिलाषी जीव को सन्तुष्ट करता है और भूखे को उत्तम पदार्थों से तृप्त करता है''। हमारे प्रभु उनके वचन की भलाई के माध्यम से प्यास और भूख आत्मा को संतुष्ट करता है । इस प्रकार, हमारे जीवन में हम प्यासे और प्रभु के वचन के लिए भूखे रहने की जरूरत है । उदाहरण के लिए । डॉक्टर हमें बताता है कि हमारे शरीर में पानी के इन कई लीटर की जरूरत है ताकि हमारे सभी महत्वपूर्ण अंगों को सामान्य रूप से कार्य कर सकते हैं। कैसे लगन से हम , पानी की आवश्यक मात्रा पीते हैं क्योंकि डॉक्टर ने हमें सलाह दी है। हम ऐसा नहीं करते हैं , तो हम जानते हैं कि हमारे शरीर के अंगों को प्रभावित नहीं होगा। इसी तरह, हम मे भय और परमेश्वर का प्रेम होना चाहिए, उसके बाद ही हम लगन से प्रभु का 'वचन' ध्यान कर सकते हैं। जैसे की हम डरते हैं कि पीने के पानी पर्याप्त नहीं होने के कारण हमारे शरीर में विभिन्न अंगों को प्रभावित कर सकते हैं , वैसे ही हमें डर होना चाहिए कि परमेश्वर का वचन पढ़े नहीं तो, हमें अपने स्वर्गीय राज्य के लिए नहीं मिलेगा लेकिन नरक की आग में डाला जाएगा। हमें प्रभु का डर होना चाहिए। हर दिन हम बाइबिल के कम से कम एक पृष्ठ को पढ़ने और उस पर मनन करना चाहिए , यह हमारे जीवन में उपयोगी हो जाएगा । यह हमें जीवन दे देंगे। अगर हम ४ वचन , पर और फिर से पढ़ें, तो प्रभु वचन की सच्चाई का पता चलता है और हमें उनके वचन के माध्यम से उस दिन के लिए परामर्श देंगे। प्रभु हमारे भूख और प्यास को भुझाता हैं। प्रभु मिस्र से बंधन से बाहर इस्राएलियों को लाने के लिए मूसा और हारून को चुना था। उन दोनों ने एक ही परिवार के पैदा हुए थे, वे भाई थे , उन में एक ही खून था , लेकिन फिर भी दोनों अपने प्यास मे अलग थे। हम देखते हैं कि कैसे मूसा ने जंगल में खड़ा था और प्रभु से प्रार्थना की, पढ़ते हैं, निर्गमन .....%ƒ„&ƒ†] ''तब मूसा ने यहोवा से कहा, ''देख, तू मुझ से कहता है, इन लोगों को ले चल।' परन्तु तू ने मुझे यह

नहीं बताया कि तू मेरे साथ किसको भेजेगा। फिर भी तू ने कहा है, 'मैं तुझे नाम से जानता हूँ, और तू मेरी कृपा–दृष्टि का पात्र भी है। इसलिए अब मैं तुझ से विनती करता हूँ, यदि तेरी कृपा–दृष्टि मुझ पर है , तो मुझे अपने मार्ग समझा दे, की मैं तुझे जान सकूँ, जिस से कि मैं तेरी कृपा–दृष्टि प्राप्त करूँ। यह भी ध्यान रख कि यह जाति तेरी प्रजा है।'' उसने कहा, ''मैं तेरे साथ साथ चलूंगा, और मैं तुझे विश्राम दूंगा।'' हमने देखा की किस तरह की प्यास और भूख मूसा ने परमेश्वर की वकालत के साथ दिखाई हैं, उसे जिस तरह से कैसे अपने बच्चों को जंगल से बाहर लाने के लिए दिखाने के लिए। इस प्रकार प्रभु ''मेरी उपस्थिति तेरे साथ जाने के लिए और तुझे आराम मिलेगा '' कहते हैं। हम भी इसी तरह की भूख और प्यास मूसा की तरह होना चाहिए। लेकिन याद रखना, प्रभु हमारे साथ होना चाहिए जहां भी हम जाते हैं, उन्होंने कहा कि अकेले वह आराम दे सकते हैं। वहाँ क्यों हमारे घरों में शांति नहीं है? वहाँ क्यों हमारे घरों में आराम नहीं है ? सब कुछ चल रहा है, सब कुछ होने के बावजूद भी यही कारण है कि हम अभी भी विभिन्न बीमारियों और हमारे जीवन में दर्द से पीड़ित हैं क्योंकि दुष्ट अलग अलग तरीकों से हमारे परिवारों को दर्द पहुँचाता हैं। लेकिन याद रखना, अगर प्रभु हमारे साथ है , अगर उनके पराक्रम उपस्थिति हमारे जीवन में है , हम हमेशा जीत और शांति पाएंगे कि कोई पैसा नहीं दे सकते हैं और कोई पैसा नहीं खरीद सकता होगा। जब प्रभु हमारे साथ है, यहां तक कि पानी का एक गिलास आनन्द हमारी प्यास और भूख बुझाने के लिए हो सकता हैं। इस प्रकार मूसा ने भी इस एहसास है और प्रभु से पूछा, **"तू कहता है, यह इन लोगों को ले, और तू मुझे पता है जिसे तू मेरे साथ भेजे, तब न जाने तू , फिर भी तू ने कहा , मैं नाम से तुमको जानता हूँ, और तू ने भी मेरी दृष्टि में अनुग्रह मिला"।** वह अभी भी उसे रास्ता दिखाने के लिए प्रभु से पूछा । लेकिन परमेश्वर ने मूसा से वादा किया है कि ''मेरी उपस्थिति तुम्हारे साथ हो जाएगा''। भजन संहिता Š†%ƒå ,''तेरे आंगनों में का एक दिन कहीं और के हजार दिन से उत्तम है। दुष्टता के तम्बुओ में रहने की अपेक्षा अपने परमेश्वर के भवन

के द्वार पर खड़ा रहना ही मुझे अधिक प्रिय है।'' हमें जिस तरह दाऊद प्रभु के लिए प्यास था उसी तरह होना चाहिए, हमें प्रभु की सेवा करनी चाहिए के रूप में दाऊद ने सेवा की। हम प्रभु से प्रार्थना करते हैं , हम अपनी इच्छाओं के साथ उसके पास कभी नहीं जाना चाहिए, उन्होंने कहा कि सभी की जरूरत है कि जानता है। यह कहा जाता है , मत्ती ‰ % ‰,''मांगो तो तुम्हें दिया जाएगाय ढूंढ़ो तो तुम पाओगेय खटखटाओ तो तुम्हारे लिए खोला जाएगा।'' प्रभु हमेशा हमारे दिल की इच्छाओं को पूरा करेगा। इस के विपरीत, हम हमेशा हमारी अपनी इच्छाओं के साथ प्रभु के लिए जाना है और चाहता है, लेकिन हमें उनके वचन में विश्वास करते हैं और उसके बारे में पूछते हैं, वह हमें सब है कि हम जरूरत है और चाहते दे देंगे। मत्ती „ƒ % „„,''और जो कुछ तुम प्रार्थना में विश्वास से मांगोगे वह तुम्हे मिलेगा।'' हम अपनी बुद्धि और ज्ञान पर भरोसा नहीं करना चाहिए , लेकिन हम हमारे लिए प्रभु की इच्छा में हमारे विश्वास और योजना डाल देना चाहिए। मानव ज्ञान में, जब हम दुखी होते हैं, हम प्रभु को अलग ढंग से करने के लिए प्रार्थना करते हैं और हमारे खुश समय में हम अलग ढंग से प्रभु से प्रार्थना करते हैं। इसलिए, हम अपनी बुद्धि और ज्ञान के साथ अनुग्रह के प्रभु के सिंहासन के लिए कभी नहीं जाना चाहिए । उदाहरण के लिए । हम परीक्षा में एक सवाल पूछा जाता है, तो हम सिर्फ पाठ्य पुस्तकों में दिए गए जवाब की तरह जवाब देने की जरूरत है, वरना यह गलत के रूप में चिह्नित किया जाएगा। इस प्रकार, प्रार्थना में , जब हम उसकी इच्छा और योजना के अनुसार परमेश्वर से मांगे ,प्रभु निश्चित रूप से हमें जवाब और उसकी इच्छा और योजना के अनुसार देते हैं। जब हम हमारी प्रार्थना में 'वचन' का दावा है, प्रभु भी उनके वचन और वादा हमारे लिए उसके वचन के अनुसार पूरा करेंगे। जैसा वचन कहता है यूहन्ना ƒ† % ƒ†,''यदि तुम मुझ से मेरे नाम मे कुछ मांगोगे तो मैं उसे करूंगा।'' अगर हम वचन, जो कि स्वर्ग से आता है के अनुसार प्रभु से पूछते हैं, प्रभु हमारे लिए हमारे हर दिल की इच्छा और उसकी इच्छा को चाह करेगा , **''मांगो, तो तुम्हें दिया जाएगा , ढूंढोगे तो तुम पाओगे,**

खटखटाओ तो वह तुम्हारे लिये खोला जाएगा''।दुष्ट अलग अलग तरीकों से हमारे जीवन में दुख और दर्द लाता है। यहाँ तक कि यीशु मसीह के समय में, फरीसियों और सदूकियों उसे उनकी शिक्षाओं और कार्यों में गलत है और हमेशा गलती साबित करने की कोशिश की। आज भी, शत्रु हमारे जीवन में भी ऐसा ही काम कर रहा है। प्रभु के बच्चों को आज भी परेशान कर रहा हैं , लेकिन यीशु मसीह कि 'तुम इस दुनिया में दुःख और क्लेश भोगोगे, लेकिन आनंद से जयकार करो, क्योंकि मैंने इस दुनिया के ऊपर जय पाया है ,' हमें आश्वासन दिया है। यह प्रभु का महान वादा है और हमारे लिए प्रोत्साहन है। हाँ , आज भी हम हमारे साथ हमारे प्रभु है , हमारी आस्था इस दुनिया में हिल नहीं जाना चाहिए। हम क्योंकि हमारे हर दुख और दर्द के लिए परमेश्वर का वचन पर ही डाल दिया, रहना चाहिए , वहाँ एक समर्थन वचन है हमारे लिए ' बाइबल' है। इस प्रकार प्रभु कहते हैं, ''मैं अपने हाथों में मेरे वचन दे दिया है , लेकिन दुनिया सोचता है कि यह एक और किताब और नहीं 'सत्य का वचन ' है।'' आज, हम केवल एक अच्छा विश्वासियों नहीं होना चाहिए, लेकिन हम अपने चेलों हो जाना चाहिए। प्रभु बनाने के लिए हमें 'उसका ज्वलंत आंखें ' , हम और अधिक दूध नहीं पीने शिशुओं हैं चाहता है, लेकिन हम उनका भावपूर्ण वचन द्वारा मनुष्य युवा हैं । हम इस समूह के हैं पिछले कई वर्षों के लिए इस तरह के अद्भुत मन्ना पाने के लिए धन्य हैं। हालांकि बड़े, हमारे जीवन में तूफान रहे हैं जब हम अपने जीवन में वचन प्रचार करते हैं, प्रभु हमारे बचाव के लिए आ जाएगा। हम २ राजा में कहानी अध्याय २ देखें , दो नबियों एलिय्याह और एलीशा के बारे में । बवंडर रथ उठाने के लिए भेजा जा रहा था , इस प्रकार एलिय्याह ने एलीशा से कहते हैं, 'इससे पहले कि मैं दूर ले लिया जाऊं कि तुम क्या चाहते हो मांगो। मैं इसे तुमको अनुदान दूंगा '' एलीशा कहते हैं, '' मुझ पर अपनी अभिषेक का दुगना भाग चाहता हूँ ''। तो एलिय्याह कहते हैं,'' जो कुछ तुम पूछ रहे हो देने के लिए मुश्किल है, लेकिन यदि तुम मुझे बवंडर में दूर ले जाया जा रहा है देखो , यह तुम्हारे लिए प्रदान किया जाएगा ''। एलीशा अभिषेक का

दुगने हिस्से के लिए प्यास लगी थी । उन्होंने कहा कि उसके बारे में एक नजर ढीला नहीं है, लेकिन एलिय्याह पर ध्यान केंद्रित कर रहा था और उसे इस प्रकार है। अचानक एलिय्याह बवंडर में पकड़ा जाता है और अपने रथ ऊपर उठा लिया और दूर ले लिया गया । एलीशा को इतनी प्यास लगी थी की मेहनती और अभिषेक कि वह अपने कपड़े फाड़कर आँसू के साथ रोने लगा । यहां नबी एलिय्याह का काम करता है समाप्त हो जाती है और अब नए युग , एक नया नबी एलीशा का काम करता है शुरू होता है। हम एलीशा दूर निराश हो जाता है और जॉर्डन नदी के लिए आता है इसे पार करने के लिए देखते हैं। एलीशा कभी नहीं प्रदर्शन किया गया था एक चमत्कार से पहले , वह केवल अपने पूर्ववर्ती नबी एलिय्याह देखा गया है विश्वास के साथ, चमत्कार वह अपने जीवन में प्रभु का वादा दावा करता है और वह एलिय्याह का चोगा लेता है और पानी को मरता और कहते हैं, '' कहाँ है प्रभु एलिय्याह के परमेश्वर ? ''जब वह उसे करता है, प्रभु नीचे आता है और भागों मे जॉर्डन के पानी हो जाता हैं । इस एलीशा का विश्वास था। यह घंटे के लिए और दोहराव के साथ प्रार्थना करने के लिए बेकार है। हम केवल हमारे जीवन में प्रभु के वचन और उनके वादे का दावा करते हैं, तो प्रभु उसके हर वचन को पूरा करने और हमारे जीवन में वादा करता हैं।

„ राजा „ % ‹&f† , और ऐसा हुआ कि जब वे पार हो गए तो एलिय्याह ने एलीशा से कहा, ''इस से पहले कि मैं तेरे सम्मुख उठा लिया जाऊं, मांग कि मैं तेरे लिए क्या करूं,'' एलीशा ने कहा, ''तेरी आत्मा का दुगना अंश मुझे मिले।'' और उसने कहा, ''तू ने कठिन बात मांगी है। फिर भी यदि तू मुझे उस समय देख ले जब मैं उठा लिया जाऊं तो तेरे लिए ऐसा ही होगाय परन्तु यदि तू न देखे, तो ऐसा नही होगा।'' तब ऐसा हुआ कि जब वे बातें करते करते आगे चले जा रहे थे, तो देखो, एक अग्नि–रथ और अग्निमय घोड़ों ने उन दोनों को अलग अलग कर दिया ।और एलिय्याह बवंडर के द्वारा ऊपर आकाश पर चढ़ गया। एलीशा ने इसे देखा और पुकार उठा,''हाय मेरे पिता, मेरे पिता! इस्राएल के रथ और घुड़सवारो!'' तब उसने अपने वस्त्र पकड़े और उन्हें

चीर कर दो टुकड़े कर दिए। फिर वह एलिय्याह की उस चादर को भी जो उस पर से गिरी थी उठाकर लौटा और यर्दन के किनारे खड़ा हुआ। तब उसने एलिय्याह की चादर जो उस पर से गिरी थी ली और यह कहकर जल पर मारारू ''एलिय्याह का परमेश्वर यहोवा कहां है?'' और जब उसने भी जल पर मारा तो जल इधर–उधर विभाजित हो गयाय और एलीशा पार हो गया। याद रखें एलीशा , चांदी, सोना, पैसा , धन या परिवार एलिय्याह के लिए नहीं पूछा था , लेकिन वह उस पर दुगना भाग होने के लिए प्रभु की आत्मा के लिए ही पूछा। क्यों एलीशा एलिय्याह के लिए इस तरह के एक अनुरोध बना था? क्योंकि वह जानता था वह एलिय्याह की तुलना में अधिक शक्तिशाली प्रभु के काम करना होगा । वह जानता था कि लोगों में वृद्धि होगी , समस्याओं को बढ़ाने के लिए और बड़ा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अधिक से एलिय्याह इस दुनिया में बनाए रखने के लिए कठिन काम करने की जरूरत है, बीमारी को बढ़ाने और संख्या में गुणा होगा । इस प्रकार, एलीशा उसकी आत्मा के अभिषेक का दुगना भाग के लिए कहा। एक बवंडर की तरह बस दूर स्वर्ग में एलिय्याह के रथ लेने के लिए भेजा गया था , यीशु मसीह स्वर्ग में अपने पिता द्वारा एक बादल में ऊपर उठा लिया गया था। और एक बार फिर उस ने अपने दूसरे में आते दूर अपनी समूह लेने के लिए आ जाएगा । जो खरीदी कर रहे हैं और उसका खून से धोया अपनी समूह , जो उस पर विश्वास करता है। इस प्रकार, यह है कि समय के लिए है , कि हम भूखे हैं और उसे 'आज' के लिए प्यास होना चाहिए। हमें उनके वचन पता करने की जरूरत है, हम उसके बाद ही हम अपनी समूह का एक हिस्सा बन जाएगा उनके वचन पर ध्यान की जरूरत है। बुराई जानता है, अब अंत समय नजदीक आ रहा है। बुराई अब चर्चों और प्रभु के बच्चों को नुक्सान पहुंचा रहा है। अगर हम कमजोर हैं , हम गिर जायेंगे जब दुष्ट के झटके हम पर गिर जाता है। हम पहले से अधिक मजबूत होना चाहिए, हम प्रभु में निहित होना चाहिए कोई बुराई हमारे जीवन को उखाड़ कर नहीं फेक सकता हैं। हम परमेश्वर का वचन में मजबूत होना

चाहिए, हम वचन पढ़ सकते हैं और उसमें वादों का दावा करना चाहिए। हम प्रभु का वचन स्वीकृत नहीं लेना चाहिए । हम हमेशा हमारे प्रभु के लिए प्यास और भूख होनी चाहिए। हम चखे और देखते हैं कि हमारे प्रभु अच्छा है, जब तक कि हम स्वाद नहीं चखेंगे प्रभु का हम उनकी अच्छाई को जानते हैं और हमारे लिए प्यार करते हैं नहीं जानेंगे। बस के रूप में पिता परमेश्वर बादलों में अपने बेटे को उठा लिया, वैसे ही यीशु मसीह उसकी दूसरी आगमन के दौरान अपनी समूह ऊपर उठा लिए जाएगा। जब हम प्रभु के लिए प्यास और भूख लगी है , नबी यशायाह कहते हैं, यशायाह †† % ...&†, ''क्योंकि मैं प्यासी भूमि पर जल उण्डेलूंगा तथा सूखी भूमि पर धाराएं बहाऊंगा। मैं तेरे वंश पर अपना आत्मा और तेरे वंशजों पर अपनी आशिष उण्डेलूंगा। वे घास के मध्य ऐसे बढ़ेंगे जैसे धाराओं के पास मजनू।'' प्रभु प्यास पर पानी डालना और सूखी आधार पर बाढ़ की जाएगी। उन्होंने यह भी बीज पर अपनी आत्मा उंडेल और हमारे बच्चों को आशीर्वाद देंगे। वे पनपने और पौधों नदी पक्ष द्वारा बोया की तरह खिल जाएगा । इन सभी के आशीर्वाद हम में से जो प्यासा और प्रभु के लिए भूखे हैं के लिए रखा हैं। जब हम प्रभु के वचन पढ़ने के लिए, हम इस तरह के अद्भुत छंद है कि हमारे जीवन को आशीर्वाद , समृद्ध और हमें बताए भर में आ जाएगा । याद है हम हमेशा प्रभु को हमारे जीवन में पहली प्राथमिकता देना चाहिए। लेकिन नहीं, हम सब कुछ करते हैं और प्रभु को छोड़ देंते हैं । जब हम यह करते हैं, हमारे जीवन व्यर्थ हो जाएगा और हम कुछ भी हम करते हैं कि में जीत नहीं मिलेगा। हम जीवन में विशेषाधिकार प्राप्त वचन की सच्चाई मिल रही हैं। याद रखें, यह केवल लेने के लिए पानी बपतिस्मा के लिए एक विश्वासु के लिए पर्याप्त नहीं है लेकिन जैसा कि हम पढ़ते हैं, यूहन्ना ... % ‡ ,यीशु ने उत्तर दिया, ''मैं तुझ से सच सच कहता हूं कि जब तक कोई जल और आत्मा से न जन्मे, वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता।'' यीशु कहते हैं, 'सच सच कहता हूं ... ..मैं तुम से कहता हूं कि मैं दरवाजे और जिस तरह से कर रहा हूँ , हर कोई मेरी आत्मा के साथ भरा जाना चाहिए ''। अंत बार, हमारे लिए अपने प्रभु का

वादा है कि वह बाहर उसकी आत्मा के सभी मानव जाति पर डालना होगा । हमारे बच्चों और अंत समय के दौरान लड़कियां होगा भविष्यवाणी करेंगे । अगर हम तैयार कर रहे हैं , प्रभु ने हम पर अपनी आत्मा उंडेल कर और बपतिस्मा और उसकी आत्मा के साथ हमें अभिषेक होगा । प्रेरितों के काम ƒå % …Š, ''तुम यीशु नासरी को जानते हो कि परमेश्वर ने उसे किस प्रकार पवित्र आत्मा और सामर्थ्य से अभिषेक किया और वह किस प्रकार भलाई करता और उन सब को जो दुष्टात्मा द्वारा सताए हुए थे चंगा करता फिरा क्योंकि परमेश्वर उसके साथ था।'' इस प्रकार यीशु मसीह से पहले वह आत्मा के अभिषेक प्राप्त किया, वह स्वर्ग में अपने पिता की इच्छा पूरी की। एक बार जब वह आत्मा के द्वारा अभिषेक किया गया था, वह टूटे हुए दिल के उपचार के बारे में चला गया और बंदी मुक्त किया । वह लंगड़ा फिर से चलने के लिए बनाया गया है और अंधा करने के लिए दृष्टि दे दी है। उन्होंने कहा कि जो बुराई चंगुल से बंधन में थे दिया। पवित्र ग्रंथों में याद रखें, यूहन्ना यीशु मसीह से कहता है ''मैं बपतिस्मा देने के योग्य नहीं हूँ , लेकिन यीशु उस से कहते हैं, '' चलो मेरे पिता के लिए किया जाएगा।'' इस प्रकार यीशु मसीह के बपतिस्मा दिया गया था और उसके बाद ही वह शुरू इस दुनिया में उनके मंत्रालय प्रभु की आत्मा के द्वारा अभिषेक किया जा रहा है। परमेश्वर के राज्य तक पहुँचने के लिए यह प्रभु की आज्ञाओं का पालन करने के लिए और उसकी आत्मा के द्वारा अभिषेक किया महत्वपूर्ण है। जकर्याह ‹ % f„, ''हे आशा रखने वाले बन्दियों गढ़ में लौट आओ, मैं आज ही घोषित करता हूं कि मैं तुम्हे बदले में दो गुणा लौटा दूंगा।'' प्रभु ने जो उस पर विश्वास करने की घ ोषणा की ''आज, मैं तुझ से दुगना प्रस्तुत करना होगा ''। बस नबी एलीशा , जब वह चोगा ले लिया और विश्वास में जब वह जॉर्डन के पानी मारा की आस्था की तरह, यह जुदा हुआ। परमेश्वर उसके साथ था और उसकी इच्छा को पूरा किया। इसी तरह, प्रभु सब विश्वासियों बुला रहा है, आज '' मेरे पास आओ । मैं तुम्हें नए सिरे से और अभिषेक , शक्ति, समर्थ '' के दोहरे हिस्से के साथ अभिषेक होगा । कुछ भी नहीं

है हमारे प्रभु परमेश्वर के लिए असंभव है। वह अकेले ही शक्ति के साथ हमें मजबूत कर सकते हैं । हममें से कोई भी कल के बारे में नहीं पता है। इस प्रकार, प्रभु ने हमें दोगुना चुनौतियों और कल के परीक्षण का सामना करने के लिए अभिषेक होगा । नबी यिर्मयाह हमें भरोसा दिलाते हैं, यिर्मयाह „å % ƒƒ, ''परन्तु यहोवा मेरे साथ एक पराक्रमी योद्धा के समान हैय इसलिए मेरे सतानेवाले ठोकर खाकर गिर पड़ेंगें और प्रबल न होंगे। वे पूर्णतरू लज्जित होंगे क्योंकि वे असफल हुए। उनका अपमान सदाकाल का होगा जो भूलाया न जाएगा।'' जब हमारे शक्तिशाली प्रभु हमारे साथ है , कोई काम नहीं है और बुराई की योजना हम पर बनाए रखा जाएगा । वे लज्जित हो जाएगा और वे समृद्ध नहीं होंगे। यिर्मयाह हमें भरोसा दिलाते हैं कि हमारे शक्तिशाली प्रभु हमेशा हमारे साथ है। इसी तरह नबी यशायाह भी हमें भरोसा दिलाते हैं, यशायाह †å % ƒå, ''देखो, प्रभु परमेश्वर सामर्थ्य के साथ आएगा, वह अपने भुजबल से प्रभुता करेगा। देखो, वह प्रतिफल देने आएगा, और उसका बदला देना भी उसके हाथ में है।'' कि हमारे शक्तिशाली प्रभु एक मजबूत हाथ के साथ आया और उसके साथ इनाम लाएगा। उन्होंने यह भी शर्म की बात करने के लिए एक बुराई का काम करता है डाल देंगे। हम हमेशा वचन याद रखे और हमारे जीवन के मुश्किल समय के दौरान अपने वादे दावा करना चाहिए। प्रभु, हमारे हर कठिनाई के माध्यम से हमारे लिए एक रास्ता बना दिया है अगर हम केवल नियमित रूप से अपने वचन पर ध्यान करें, हमारे जीवन बेहतर करने के लिए बदल जाएगा। गीत '' जब से प्यारा यीशु आया , मेरा जीवन बदल गया ''याद है । हाँ, जब हम हमारे जीवन में प्रभु को आने देते हैं, वह समृद्ध और बेहतर करने के लिए हमारे जीवन को बदल देता हैं।

प्रभु उनके वचन के माध्यम से हम में से हर एक को आशीर्वाद दे !

पास्टर सरोजा म.